बजरी माफिया से सांठगांठ पर 11 पुलिस निरीक्षकों पर गाज गिरी

पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने प्रदेशभर में किया डिकॉय ऑपरेशन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बजरी माफियाओं से सांठगांठ और गंभीर लापरवाही रखने वाले 11 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एस सेंगाथिर के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा द्वारा डिकॉय ऑपरेशन करने के बाद यह कार्रवाई हुई।

प्रदेशभर में चलाए गए डिकॉय ऑपरेशन के बाद कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही और अवैध बजरी खनन में संलिप्तता पाए जाने पर गाज गिरी है। इस कार्रवाई में पांच पुलिस निरीक्षकों को तत्काल निलंबित किया गया है, जबकि छह अन्य को लाइन हाजिर किया गया है।

- **पांच पुलिस निरीक्षक निलंबित, अन्य 6 को लाइन हाजिर किया**

एडीजी सेंगाथिर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गठित 11 विशेष टीमों ने 18 और 19 दिसंबर को राज्य के विभिन्न जिलों में गुप्त तरीके से डिकॉय ऑपरेशन को अंजाम दिया। इन टीमों ने आम नागरिक बनकर पुलिस थानों की कार्यप्रणाली, नाकाबंदी और गश्त व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सामने आया कि कई थानों में न केवल बजरी के अवैध परिवहन को नजरअंदाज किया जा रहा था,बल्कि ड्यूटी के प्रति भी भारी लापरवाही बरती जा रही थी।

जांच में दोषी पाए जाने पर 21 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय ने सख्त कदम उठाते हुए जयपुर दक्षिण जिले के शिवदासपुरा, टोंक के पीपलू व बरौनी, अजमेर के पीसांगन और धौलपुर के कोतवाली थाना अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही भीलवाड़ा के थाना गुलाबपुरा, कोटा शहर के कुन्हाड़ी व नान्ता, दौसा के लालसोट, चित्तौड़गढ़ के गंगरार और जोधपुर पश्चिम के लूणी थाना अधिकारियों को लाइन हाजिर किया गया है। इन सभी के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

बजरी माफिया के मददगारों के लिए विभाग में जगह नहीं : पुलिस मुख्यालय ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि प्रदेश में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण में किसी भी पुलिसकर्मी की मिलीभगत या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे दोषी कार्मिकों के विरुद्ध त्वरित अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। ऑपरेशन में दोषी मिले 11 थानों के 15 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए पीएचक्यू से आईजी जयपुर, कोटा, भरतपुर और अजमेर को निर्देश जारी किए गए है।

इससे पहले नवंबर माह में भी सतर्कता शाखा ने एक व्यापक अभियान चलाया था। उस दौरान जीरो एफआईआर दर्ज न करने, परिवादियों से दुर्व्यवहार, साइबर क्राइम की शिकायतों पर ढिलाई, एसपी ऑफिस में प्राप्त परिवादों में परिवाद अनुभाग की कार्यप्रणाली, थाना अधिकारियों की गश्त प्रणाली एवं कार्यशैली और महिला डेस्क पर आने वाली महिलाओं के साथ संवेदनहीन व्यवहार जैसे बिंदुओं पर डिकॉय ऑपरेशन किया गया था।

बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह की शहादत के किस्से आमजन तक पहुंचायेगी भाजपा : टीटी

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने सोमवार को प्रेस वार्ता की।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को देशभर में मनाये जा रहे 'वीर बाल दिवस' के तहत सिख गुरु गुरु गोविंद सिंह के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह की शहादत और शौर्य के किस्से राजस्थान भाजपा, आमजन तक पहुंचायेगी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि इन दोनों की स्मृति में भाजपा द्वारा प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पार्टी द्वारा मंडल से लेकर प्रदेश स्तर तक विशेष सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें युवाओं को साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान, साहस और देशभक्ति से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय गुरुद्वारों में शब्द कीर्तन, मंडल एवं जिला स्तर पर प्रभात फेरियों का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि साहिबजादों की शहादत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में मंडल से लेकर जिला स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। जयपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने बताया कि वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, जिला स्तरीय बौद्धिक संगोष्ठियां, स्कूलों एवं कॉलेजों में विचार संगोष्ठियां तथा भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। इसके साथ ही 26 दिसंबर को राजकीय विद्यालयों में एक घंटे के विशेष सत्र के दौरान बच्चों को वीरता और शहादत की प्रेरणादायक कहानियां सुनाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता मंडल स्तर पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन करेंगे तथा साहिबजादों की शहादत पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाएंगे, जिससे उनकी गौरवशाली गाथा जन-जन तक पहुंच सके।

गांवों को आत्मनिर्भर बनाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल पूर्ण हुए

- **प्रदेश में 75 हजार से अधिक किलोमीटर सड़कें तथा 68 पुल बनाकर 15983 बसावटों को जोड़ा गया**
- **केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज मेड़ता में 2089 करोड़ रुपये लागत की 1216 पीएमजीएसवाई सड़कों की सौगात देंगे**

जयपुर (कासं)। स्वतंत्रता के दशकों बाद तक भारत के ग्रामीण क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इन सुविधाओं तक पहुँचने के लिए एक मार्ग की जरूरत थी। इसी जरूरत को समझते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के रूप में भारत के असंबद्ध गांवों को सड़क से जोड़ने की मजबूत नींव रखी। जिसके तहत सामान्य क्षेत्र की 500 से अधिक एवं मरूस्थलीय तथा आदिवासी क्षेत्र की 250 से अधिक आबादी की बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा आगे चलकर इसमें प्रमुख ग्रामीण सड़कों का चौडाईकरणी सुदृढ़ीकरण करने का लक्ष्य शामिल किया गया।

इसी लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सार्वजनिक निर्माण विभाग ने गत 25 वर्षों में प्रदेश में 75 हजार किमी. से अधिक सड़कों का निर्माण किया और 15983 बसावटों/गांवों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा। यह केवल सड़कों का विस्तार नहीं है, बल्कि दूर दराज के गांवों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और नये अवसरों को पहुँचाने की पहल रही है। चूंकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीन चरण प्रदेश में पूरे हो चुके हैं ओर चौथे चरण का आगाज होने जा रहा है। केंद्रीय कृषि, कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को मेड़ता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण में प्रदेश की 1216 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ने व एक पुल की सौगात देंगे। जिनकी अनुमानित लम्बाई 3219 किमी. व लागत लगभग 2 हजार 89.37 करोड़ होगी।

गौरतलब है कि चौथे चरण में 1638 बसावटों को सड़कों से जोड़े जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश में लगभग 12086 करोड़ रूपये की लागत से 49730 किमी. लम्बाई की सड़कों का निर्माण कर 15983 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा गया। साथ ही 14043 किमी. सड़कों के चौडाईकरण व सुदृढीकरण का कार्य भी किया गया तथा 26 पुलों का निर्माण करवाया गया।

जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ता गया, चयनित "थ्रू रूट्स और ग्रामीण सड़क नेटवर्क" को अधिक मजबूत करने की जरूरत महसूस की गई। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सिर्फ नयी सड़कों का निर्माण पर्याप्त नहीं है, बल्कि मौजूदा सड़कों के नेटवर्क को और अधिक मजबूत करना भी आवश्यक है। योजना के दूसरे चरण में प्रदेश में 1103 करोड़ रुपये की लागत से 3468 किमी. लम्बाई की 401 सड़कों का चौडाईकरण-सुदृढ़ीकरण कार्य करवाया गया तथा 6 पुलों का निर्माण करवाया। योजना के तीसरे चरण में भी मौजूदा मार्गों व ग्रामीण संपर्क मार्गों को उन्नत किया गया ताकि बसावटों से कृषि बाजारों, कॉलेजों, अस्पतालों, अन्य किसान संबंधित उद्यमों तक सुगम एवं त्वरित कनेक्टिविटी स्थापित की जा सकें। अब तक प्रदेश में 4060 करोड़ रुपये की लागत से 8549 किमी. की 903 सड़कों का चौडाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण करवाया गया तथा 36 पुलों का निर्माण किया, शेष कार्य प्रगतिरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 में देश के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास के लिए पीएम-जनमन योजना का शुभारम्भ किया था, जिसके तहत बारां की शाहबाद व किशनगंज ब्लॉक की सहरिया जनजाति बहुल 100 से अधिक आबादी की 31 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ने की मुहिम शुरू की गई। इसके तहत लगभग 11 करोड़ की लागत से 22 किमी. सड़क निर्माण कर 11 बसावटों को सड़कों से जोड़ने का कार्य पूरा किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगतिरत है।

एम.एन.आई.टी. में प्रस्तावित ट्रेड फेयर पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

- **बताया जा रहा है कि 16 जनवरी से प्रस्तावित 3 दिवसीय इस ट्रेड फेयर में सोलर क्षेत्र से जुड़ी दर्जनों निर्माता और सेवा कंपनियां भाग लेंगी**
- **याचिका में कहा गया कि, "संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत विद्यार्थियों को शांत और शुद्ध शैक्षिणक वातावरण का अधिकार है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में व्यावसायिक आयोजन नहीं किया जाना चाहिए।"**

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एमएनआईटी परिसर में अगले माह प्रस्तावित सोलर ट्रेड फेयर को लेकर शिक्षा मंत्रालय, एमएनआईटी निदेशक, राजस्थान सोलर एसोसिएशन, मुख्य सचिव और सीएजी सहित अन्य को जवाब पेश करने के लिए 13 जनवरी तक का समय दिया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश संयुक्त अभिभावक संघ की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विनोद कुमार वैष्णव ने अदालत को बताया कि जेएलएन मार्ग स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अगली 16 जनवरी से तीन दिवसीय ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सोलर क्षेत्र से जुड़ी प्रदेश की दर्जनों निर्माता और सेवा प्रदाता कंपनियां भाग लेंगी। याचिका में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत विद्यार्थियों को शांत और शुद्ध शैक्षिणक वातावरण का अधिकार है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में व्यावसायिक आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया की एमएनआईटी जैसे सरकारी सहायता प्राप्त संस्थान के परिसर में इस तरह के व्यापारिक मेलों का आयोजन न केवल शैक्षिणक वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, अनुशासन और गरिमा पर भी गंभीर प्रश्न खडे करता है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि परिसर में बने हॉस्टल में बडी संख्या में विद्यार्थी रहते है और बाहरी व्यक्ति के प्रवेश को लेकर भी कडी सुरक्षा के प्रावधान है। ऐसे में बिना जांच पडताल कंपनियों से जुडे लोगों को यहां प्रवेश देना उचित नहीं है। ऐसे में इस प्रस्तावित ट्रेड फेयर के आयोजन को रोका जाए। याचिका में पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एएसजी भरत व्यास व अन्य वकील उपस्थित हुए और उन्होंने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने याचिका की सुनवाई 13 जनवरी को रखते हुए पक्षकारों को जवाब पेश करने को कहा है।

"जयपुर ज्वैलरी शो" कला-विरासत और परंपरा का उत्सव : प्रेमचंद बैरवा

जे.ई.सी.सी. में जे.जे.एस. संपन्न हुआ, बीते 4 दिनों में करीब 46 हजार विजिटर्स ने की शिरकत

जयपुर ज्वैलरी शो के समापन समारोह में सोमवार को उत्कृष्ट बूथ डिजाइन और ज्वैलरी प्रस्तुति के अवार्ड देकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

- **18 से 21 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा आगामी संस्करण**

जयपुर (कासं)। जयपुर आभूषण की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान रखता है और जयपुर ज्वैलरी शो इस शहर की समृद्ध विरासत, परंपरा और कला का उत्सव है। यह बात राजस्थान के उप मुख्यमंत्री, डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने जयपुर ज्वैलरी शो 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आभूषण उद्योग आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य सरकार प्रगतिशील नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए इस उद्योग को सहयोग करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेजेएस वाईस चेयरमैन दिनेश खटोरिया ने कहा कि अपने शुरुआती वर्षों में मात्र 67 बूथों से शुरू होकर आज 1227 बूथों तक पहुंचना इस शो की उल्लेखनीय विकास यात्रा को दर्शाता है। आज यह एग्जीबिशन देश की सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी प्लेटफॉर्म बन चुकी है।

जेजेएस के मानद सचिव राजीव जैन ने बेस्ट बूथ अवॉर्ड्स की घोषणा की। उत्कृष्ट बूथ डिजाइन और ज्वैलरी प्रस्तुति के लिए 18 वर्ग मीटर से ऊपर बेस्ट बूथ ज्वैलरी श्रेणी में विजेताओं में पहला स्थान बिरधीचंद घनश्याम दास ने जीता। दूसरे स्थान पर मोहनलाल नारायणदास ज्वैलर्स रहे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वैलरी (आईआईजीजे) को बेस्ट इंस्टीट्यूट अवॉर्ड प्रस्तुत किया। उन्होंने शो के अगले संस्करण की तारीखों की भी घोषणा की, जो 18 से 21 दिसंबर, 2026 तक आयोजित होगा। जैन ने बताया कि इस वर्ष शो में 46 हजार से ज़्यादा विजिटर्स आए, जिनमें से 15 हजार बाहर के शहरों से थे।

जेजेएस के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता अजय काला ने समापन समारोह का संचालन किया। उन्होंने कहा कि इस बार जेजेएस व्यवसाय के साथ-साथ प्रबंधन की दृष्टि से भी व्यापक और उपयोगी शो रहा। उन्होंने शो की सफलता के लिए सभी प्रदर्शकों, विक्रेताओं और आगंतुकों का आभार जताया।

रिलायंस ज्वैल्स की "ड्रीम डायमण्ड सेल" शुरू

मुंबई। रिलायन्स ज्वैल्स अपनी "ड्रीम डायमण्ड सेल" फिर से लेकर आए हैं, जिसके तहत उपभोक्ता आकर्षक एवं लुभावने तरीके से इस सीज़न का जश्न मना सकेंगे। यह सेल देश भर में 145 से अधिक रिलायन्स ज्वैल्स स्टोर्स पर उपलब्ध है। आगामी 27 जनवरी 2026 तक चलने वाली यह सेल ऐसे समय में लाई जा रही है, जब लोग साल के अंत में उपहार खरीदते हैं, त्योहारों की खरीददारी करते हैं या किसी यादगार के साथ नए साल की शुरूआत करना चाहते है। इस साल की ड्रीम डायमण्ड सेल, हर किसी के लिए हीरों की खरीद को सुलभ बनाएगी। ग्राहकों को 25 हजार रु. के हीरों की हर खरीद पर 0.25 ग्राम का गोल्ड कॉयन मिलेगा। इस सीज़न की सेल हीरा और सोना एक साथ खरीदने का अनूठा मौका मिलेगा। सेल के दौरान 75 हजार रु. की गोल्ड ज्वैलरी की खरीद पर मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20 फीसदी छूट मिलेगी। रिलायन्स ज्वैल्स स्टोर्स में ग्राहक, रोज़मर्रा के लिए डायमण्ड ज्वैलरी जैसे ईयररिंग, रिंग, चेन या स्टेटमेन्ट स्टाइल जैसे चोकर और ब्राइडल डिज़ाइनों की खरीददारी कर सकेंगे।

सार-समाचार

फैशन और ज्योतिष का अद्भुत संगम

जयपुर । अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव (एआईएसी) सीजन-2 के अंतर्गत आयोजित ग्लिटरिंग ज़ोडियक फैशन शो ने फैशन और ज्योतिष के अद्भुत संगम को भव्य मंच पर प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अनूठे आयोजन में राशियों की ऊर्जा, रंगों और भावनाओं को फैशन के माध्यम से जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने बताया कि यह भव्य आयोजन ऑलमाइटी इंटरनेशनल द्वारा इंटरनेशनल वास्तु अकादमी के सहयोग से आयोजित किया गया। शो की परिकल्पना और निर्देशन, मिसेस इंडिया इंटरनेशनल दीप्ति सैनी ने संभाली। इस विशेष फैशन शो में प्रीति सचदेवा, युविका जैन, मीनाक्षी सोलंकी, अमृता टांगानिया, ममता जायसवाल, अंशु वाधवा और इंद्रजीत दास ने विभिन्न राशियों पर आधारित डिज़ाइनों को आत्मविश्वास, गरिमा और सौंदर्य के साथ रैंप पर प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रस्तुति में संबंधित राशि के रंग, व्यक्तित्व और कॉस्मिक ऊर्जा का प्रभावशाली चित्रण देखने को मिला। शो की विशेष आकर्षण रहीं शोस्टॉपर आरजे देवांगना, जिन्होंने रैंप पर अपनी दमदार उपस्थिति से समा बांध दिया। मंच पर मेष की ऊर्जा, सिंह की शाही भव्यता, तुला का संतुलन और कर्क की कोमलता फैशन से सजीव हुई।

ब्राइट फ्यूचर स्कूल में क्रिसमस पर्व मनाया

जयपुर । जनता कॉलोनी स्थित ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल ने बड़े उत्साह और खुशी के साथ "क्रिसमस" पर्व मनाया। लाल और सफेद रंग की पोशाक पहनकर छोटे-छोटे बच्चों ने क्रिसमस कैरोल की धुन पर गाकर और नाचकर खुशियां फैलाई। अनगिनत छोटे सांता क्लॉज़ ने माहौल को जादुई बना दिया और वहां मौजूद सभी लोगों के लिए यादगार और मनमोहक पल बनाए। यह उत्सव हंसी, संगीत और एकजुटता की भावना से भरा था। उत्साह को बढ़ाते हुए, डायरेक्टर तेजेंद्र शर्मा और गौरव तेज शर्मा ने बच्चों को बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेस्ड, बेस्ट पोस्टर मेकर और अन्य कैटेगरी में पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वीकैंड के बाद भी सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में रौनक बरकरार

जयपुर । सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 में वीकैंड के बाद भी उत्साह और चहल-पहल कम नहीं हुई। सोमवार को मेले के पाँचवें दिन सामान्य कार्यदिवस होने के बावजूद मेला परिसर में भीड़ देखने को मिली। शिल्प, हस्तकला और स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि ने मेले को एक जीवंत उत्सव का रूप दे दिया।

परिवारों के साथ आए दर्शकों ने विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की और स्थानीय स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) महिलाओं के उत्पादों की जमकर खरीदारी की। इसी क्रम में टाइनी टॉट्स इंग्लिश स्कूल के स्कूली बच्चों ने भी मेले का भ्रमण किया। बच्चों ने महिला उद्यिमता, ग्रामीण आजीविका और स्वदेशी उत्पादों को नज़दीक से समझा, जो उनके लिए आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव रहा। महिला उद्यिमता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मेले के अंतर्गत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा कमला पोद्दार ग्रुप के सहयोग से एक विशेष उत्पाद संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसएचजी महिलाओं को डिज़ाइन नवाचार, गुणवत्ता सुधार और बाज़ार की मांग के अनुरूप उत्पाद विकसित करने संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया।

राजस्थान में तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की सुरक्षा पर चर्चा

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुई ऑनशोर सिक्योरिटी कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस और ऑयल कंपनियों की बैठक हुई।

- **डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) संजय अग्रवाल ने डिजिटल पोर्टल विकसित करने, उपलब्ध रिसोर्स की मैपिंग तथा सभी ऑयल कंपनियों के लिए एक राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता जताई।**

जयपुर (कासं)। राज्य में स्थित तेल एवं गैस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने और पुलिस व ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के उद्देश्य से गठित ऑनशोर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस कमेटी में पुलिस, ओएनजीसी, आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल समेत सभी ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधि सदस्य होते हैं।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने सभी ऑयल कंपनियों को स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के साथ निरंतर समन्वय से समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा संबंधी चुनौती के प्रभावी समाधान के लिए रियल टाइम रिपोर्टिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ऑयल चोरी जैसे अपराधियों से संबंधित मजबूत और अद्यतन डेटा बेस तैयार करने तथा ऑयल पाइपलाइन संपूर्ण देश एवं राज्य के आधारभूत परिदृश्य को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) संजय अग्रवाल ने ऑयल कंपनियों की ओर से सूचनाओं के व्यवस्थित संधारण के लिए डिजिटल पोर्टल विकसित करने तथा उपलब्ध रिसोर्स की मैपिंग करने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी ऑयल कंपनियों के लिए एक राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता जताई।

बैठक में विभिन्न ऑयल कंपनियों द्वारा की गई मॉक ड्रिल के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में सजग प्रहरी प्रोत्साहन योजना, पुलिस के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग, पुलिस नाकाबंदी, चेक पॉइंट्स तथा नियमित सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन मीटिंग्स, ड्रोन थ्रेट के लिए एसओपी, नो-ड्रोन ज़ोन क्षेत्र की घोषणा तथा राजस्थान ऑनशोर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी के पुनर्गठन संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पुलिस व जिला प्रशासन से प्राप्त सहयोग की सराहना की। आईओसीएल व एचपीसीएल ने विशेष तौर से पाइपलाइन से तेल चोरी का तुरंत खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान पुलिस की प्रशंसा की। इस दौरान ऑयल कंपनियों ने राजस्थान पुलिस के कई अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करवाया।